भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4199
बुधवार, 18 मार्च, 2026 को उत्तर देने के लिए

प्रौद्योगिकी अंगीकरण कोष

4199. श्री बी. के. पार्थसारथीः
श्री केसिनेनी शिवनाथः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रौद्योगिकी अंगीकरण कोष (टीएएफ) के अंतर्गत प्राप्त और स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) आन्ध्र प्रदेश के स्टार्ट-अप सहित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र से टीएएफ के अंतर्गत सहायताप्राप्त स्टार्ट-अप की संख्या कितनी है और उनकी सूची क्या है और राज्य-वार कितनी धनराशि प्रदान की गई है;

(ग) आन्ध्र प्रदेश के उद्योगों सहित बड़े उद्योगों से सहायताप्राप्त स्टार्ट-अप की संख्या कितनी है और उनकी सूची क्या है और राज्य-वार कितनी धनराशि प्रदान की गई है;

(घ) सहायताप्राप्त स्टार्ट-अप द्वारा विकसित की जा रही प्रौद्योगिकियों की सूची क्या है और बौद्धिक संपदा की संख्या कितनी है; और

(ङ) देश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण में आ रही समस्याओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) 01 मार्च, 2026 तक 39 उद्योगों से कुल 42 प्रस्ताव प्राप्त हुए। एक विशेषज्ञ समिति इन प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रही है।

(ख) विविध राज्यों से प्राप्त 42 प्रस्तावों में से एक कंपनी आंध्र प्रदेश की है। विविध राज्यों से प्राप्त सभी प्रस्तावों की समीक्षा की जा रही है और ये वर्तमान में मूल्यांकन/सूचीयन के चरण में हैं।

(ग) प्राप्त सभी प्रस्ताव स्टार्टअप्स अथवा एमएसएमई से हैं। बड़े उद्योगों द्वारा सहायताप्राप्त स्टार्ट-अप्स का ब्यौरा इन-स्पेस के पास उपलब्ध नहीं है।

(घ) चूंकि प्रौद्योगिकी अंगीकरण कोष (टीएएफ) के अंतर्गत प्राप्त सभी 42 प्रस्ताव वर्तमान में समीक्षा के अधीन हैं तथा मूल्यांकन एवं सूचीयन के चरण में हैं, इस समय प्रौद्योगिकियों की सूची प्रदान नहीं की जा सकती है। तथापि, इन प्रस्तावों के अंतर्गत शामिल प्रौद्योगिकियों में मोटे तौर पर अन्य सहित नोदन प्रणालियां तथा हरित नोदक, भू-पर्यवेक्षण बुनियादी मॉडल, उपग्रह अवयव जैसी प्रौद्योगिकियां हैं।

गैर-सरकारी कंपनियों द्वारा बौद्धिक संपदा का सृजन प्राप्त प्रस्तावों के विकास के अनुसरण में एक प्राक्कलित परिणाम के रूप में संभावित है।

(ङ) भारत सरकार द्वारा घोषित अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों का अनुपालन करते हुए स्टार्ट-अप्स और निजी उद्यमों की भागीदारी ने अंतरिक्ष उत्पादों तथा सेवाओं के वाणिज्यीकरण हेतु एक अधिक जीवंत परितंत्र का निर्माण प्रारंभ कर दिया है। तथापि, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण में आ रही समस्याओं में मांग सृजन, पूंजी निवेश, निधि अभिगम, गहन तकनीकी विशेषज्ञता विभेद, प्रशिक्षित मानवशक्ति की उपलब्धता, उपलब्ध प्रौद्योगिकी की परिपक्वता, परीक्षण अवसंरचना की उपलब्धता, लंबे विकास चक्र और वाणिज्यिक हितों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा का संतुलन शामिल हैं।

****